Dainik Bhaskar (Indore), 05th February 2012, Page-4

आईआईटी इंदौर को ढूंढना होगा नया ठौर

कार्यपरिषद बैठक में हुए कई निर्णय, यूनिवर्सिटी ने सिर्फ छह माह और बढ़ाया समझौता

भास्कर संवाददाता. इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी कार्यपरिषद की शनिवार को हुई बैठक में आईआईटी इंदौर को तगड़ा झटका दिया है। फिलहाल यूनिवर्सिटी के खंडवा रोड स्थित आईईटी के भवन में लग रहे आईआईटी इंदौर को 1 जनवरी 2013 के पहले यह भवन खाली करना होगा। कार्यपरिषद ने जून 2012 में खत्म हो रहे समझौते को केवल छह माह और बढ़ाने की अनुमति दी है जबकि आईआईटी इंदौर ने 2015 तक समझौता बढ़ाने की मांग की थी। बैठक में 44 मुद्दे रखे गए थे जिनमें से नीतिगत छोड़कर ज्यादातर को मंजूरी मिल गई।

ये अहम निर्णय हुए

» पीआरओ पद एसजेएमसी विभाग के डॉ. मानसिंह परमार को सौंपा » यूजीसी द्वारा पिछली बार भेजी ग्रांट को 31 मार्च से पहले खर्च करने के लिए बनाए गए प्रस्ताव मंजूर » सेल्फ फाइनेंस कर्मचारियों की सेवा-शर्तें राज्य शासन को भेजने से पहले कानूनी सलाह ली जाएगी। 20 फीसदी वेतन बढ़ोतरी फिलहाल दो माह के लिए और बढ़ाई »25 फीसदी से भी कम रिजल्ट देने वाले बीएड कॉलेजों में टीम फिर दौरा करेगी व पढ़ाई का स्तर जांचेगी। » नालंदा परिसर कॉन्फ्रेंस हॉल में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन, डॉ. सी.वी. रमन व डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की तस्वीरें लगेंगी।

विभागाध्यक्षों को उलझाने के लिए लिया एक निर्णय

जिन विभागों के करंट अकाउंट में तीन करोड़ या उससे ज्यादा राशि है, उन्हें नोटिस देकर जवाब मांगा जाएगा। सवाल यह उठाया जाएगा कि अगर इस राशि की एफडी करवाई जाती तो अच्छा-खासा ब्याज मिलता। बहरहाल इस मनमाने निर्णय के खिलाफ विभागाध्यक्षों ने मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है।